HINACOR03T : हिंदी भाषा और साहित्य का इतिहास (आधुनिककाल)

(06 क्रेडिट, अंक-75, क्लास: 90)

इकाई-I

- आधुनिक काल की पृष्ठभूमि
- भारतीय नवजागरण और हिन्दी नवजागरण की अवधारणा
- हिन्दी नवजागरण और भारतेन्दु
- द्विवेदीयुग और खड़ीबोली आंदोलन
- भारतेन्दु और द्विवेदीयुगीन काव्य की प्रवृत्तियाँ

इकाई-II

- छायावादी काव्य आंदोलन और उसके प्रमुख कवि
- छायावाद: परिवेश और प्रवृत्तियाँ
- उत्तर छायावाद :
- प्रगतिवाद की अवधारणा और काव्य आंदोलन
- प्रयोगवाद
- नयी कविता

इकाई-III

- साठोत्तरी कविता,नवगीत, नवे दशक की कविता , समकालीन कविता
- समकालीन कथा-साहित्य –उपन्यास और कहानी

Scanned by CamScanner

- नाटक, एकांकी

इकाई-IV

हिंदी गद्य का उद्भव और विकास-

- आलोचना
- निबंध,
- गद्य की अन्य विधाएँ : जीवनी, आत्मकथा, संस्मरण, रेखाचित्र, यात्रावृत्तांत, आदि।

सहायक ग्रंथ

1. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ – नामवर सिंह
2. भारतेन्दु और हिन्दी नवजागर की समस्याएँ – डॉ.रामविलास शर्मा
3. हिन्दी गद्य साहित्य – रामचन्द्र तिवारी
4. आधुनिक साहित्य – नन्ददुलारे बाजपेयी
5. छायावाद – नामवर सिंह
6. हिन्दी नवगीत :उद्भव और विकास – राजेंद्र गौतम
7. समकालीन हिन्दी कविता – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
8. महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण – डॉ. रामविलास शर्मा

Scanned by CamScanner

HINACOR04T: आधुनिक कालीन हिंदी कविता (छायावाद तक) (06 क्रेडिट, अंक-75, क्लास: 90)

पाठ - सामग्री

इकाई – 1 जयशंकर प्रसाद

- हिमाद्रि तुंग शृंग से
- बीती विभावरी जाग री
- आत्मकथा
- मेरे नाविक
- अतिथि
- आह! वेदना मिली विदाई
- हिमालय के आंगन में उसे

इकाई – 2 सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

- राजे ने रखवाली की
- बांधों न नाव इस ठांव बंधु
- भिक्षुक
- जागो फिर एक बार
- खंडहर के प्रति
- महंगू महंगा रहा
- सखि, वसंत आया

इकाई – 3 सुमित्रानंदन पंत

- ताज
- परिवर्तन
- मौन निमंत्रण
- नौका विहार
- आह! धरती कितना देती है

Scanned by CamScanner

- छाया
- गांव के लड़के
- बूढ़ा चांद

इकाई – 4 महादेवी वर्मा

- विरह का जलजात जीवन विरह का जलजात
- बीन भी हूं....
- पंथ रहने दो अपरिचित प्राण रहने दो अकेला
- क्या पुजा क्या अर्चन रे
- जाग तुझको दूर जाना
- रे पपीहे पी कहां
- कहां से आए बादल काले
- जब यह दीप थके तब आना

सहायक ग्रंथ

1. जयशंकर प्रसाद – नंददुलारे वाजपेयी
2. जयशंकर प्रसाद का काव्य – प्रेमशंकर
3. निराला की साहित्य साधना – रामविलास शर्मा
4. छायावाद – नामवर सिंह
5. निराला : आत्महंता आस्था – दूधनाथ सिंह
6. त्रयी (प्रसाद, निराला और पंत) – जानकी वल्लभ शास्त्री
7. निराला कवि छवि – नंद किशोर नवल
8. आधुनिक हिंदी कविता युगीन संदर्भ – अरुण होता
9. पंत सहचर – अशोक वाजपेयी, अपूर्वानंद
10. महादेवी वर्मा – इन्द्रनाथ मदान
11. आधुनिक हिंदी कविता – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी

आधुनिक हिंदी कविता - आशुतोष

Scanned by CamScanner

Ability Enhancement Compulsary Course (AECC)

HINSAEC01M : हिंदी संप्रेषण (02 क्रेडिट, अंक-25, क्लास: 30)

इकाई-1

ध्वनि और वर्ण, शब्दों की व्याकरणिक कोटियाँ (संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया की परिभाषा एवं भेद), शब्द निर्माण (उपसर्ग, प्रत्यय, संधि और समास का सामान्य परिचय)

इकाई-2

शब्द और पद में अंतर, विकारी शब्दों की रूप-रचना (संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया), अविकारी शब्द (अव्यय), वाक्य की परिभाषा और अंग, वाक्य के भेद (रचना एवं अर्थ के आधार पर), वाक्य संरचना (पदक्रम, अन्विति और विराम-चिह्न)

इकाई-3

भाषिक संप्रेषण-स्वरूप और सिद्धांत, संप्रेषण की अवधारणा और महत्त्व, संप्रेषण प्रक्रिया, संप्रेषण की चुनौतियाँ, संप्रेषण के प्रकार (मौखिक और लिखित, वैयक्तिक और सामाजिक, व्यावसायिक) संप्रेषण की बाधाएँ

इकाई-4

संप्रेषण के माध्यम-एकालाप, संवाद, सामूहिक चर्चा, प्रभावी संप्रेषण, पढ़ना और समझना, सार और अन्वय, विश्लेषण और व्याख्या

सहायक ग्रंथः

1. भारतीय पुरालिपि- डॉ. राजबलि पांडेय
2. भाषा और समाज- रामविलास शर्मा
3. हिंदी भाषा का उद्गम और विकास- उदयनारायण तिवारी
4. हिंदी भाषाः संरचना के विविध आयाम- रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
5. हिंदी व्याकरण- कामताप्रसाद गुरु
6. हिंदी शब्दानुशासन –किशोरीदास वाजपेयी
7. हिंदी भाषा की संरचना- भोलानाथ तिवारी
8. संप्रेषण-परक व्याकरणः सिद्धान्त और स्वरूप- सुरेश कुमार
9. प्रयोग और प्रयोग – वी.आर. जगन्नाथ
10. भाषाई अस्मिता और हिंदी –रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
11. रचना का सरोकार- विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
12. भारतीय भाषा चिंतन की पीठिका- विद्यानिवास मिश्र

Scanned by CamScanner